Under CSR Support by Ipca | Foundation missiongyan

अध्याय – 5 | प्रेमचंद के फटे जूते

QUIZ PART-01

1. **प्रेमचंद के फटे जूते का क्या महत्व है?**
   A. दिखावा
   B. गरीबी की निशानी
   C. समाज की स्थिति
   D. कोई नहीं (B)

व्याख्या : प्रेमचंद के फटे जूते गरीबी की निशानी थे, जो उनके जीवन की संघर्षपूर्ण स्थिति को दर्शाते हैं।

2. **प्रेमचंद के जूतों में क्या कमी थी?**
   A. जूते की नोक थी
   B. जूते में बड़ा छेद था
   C. जूते चमकदार थे
   D. जूते नये थे (B)

व्याख्या : उनके जूते में बड़ा छेद था, जिससे अंगुली बाहर दिख रही थी।

3. **'फटे जूते' का किस संदर्भ में उपयोग किया गया है?**
   A. फटे जूते गरीबी का प्रतीक हैं
   B. फटे जूते समय की जरूरत हैं
   C. फटे जूते कष्ट का प्रतीक हैं
   D. फटे जूते खुशी का प्रतीक हैं (A)

व्याख्या : 'फटे जूते' गरीबी और संघर्ष का प्रतीक हैं।

4. **सालिम अली की पत्नी ने गोरैया को किस रूप में देखा?**
   A. पक्षी के रूप में
   B. घर की सदस्य के रूप में
   C. उपहार के रूप में
   D. शिकार के रूप में (B)

व्याख्या : उन्होंने गोरैया को घर की सदस्य के रूप में देखा।

5. **प्रेमचंद के जूतों में कौन सा प्रकार था?**
   A. चमड़े के जूते
   B. कपड़े के जूते
   C. कनवास के जूते
   D. प्लास्टिक के जूते (C)

व्याख्या : प्रेमचंद के पास कनवास के जूते थे।

6. **'फोटो खींचने' के समय का क्या महत्व है?**
   A. खुशी
   B. दुःख
   C. अनावश्यक
   D. मजबूरी (B)

व्याख्या : फोटो खींचते समय प्रेमचंद के चेहरे पर दुःख और लज्जा थी।

7. **क्यों प्रेमचंद के जूतों में अंगुली बाहर आ रही थी?**
   A. जूते के छेद के कारण
   B. जूते छोटे थे
   C. जूते की सिलाई टूटी थी
   D. जूते पुरे नहीं थे (A)

व्याख्या : जूते में बड़ा छेद था, जिससे अंगुली बाहर आ रही थी।

8. **प्रेमचंद का इस दृश्य पर ध्यान क्यों अटक गया?**
   A. गरीबी
   B. अपमान
   C. दिखावे का प्रभाव
   D. जूते की स्थिति (D)

व्याख्या : उनका ध्यान जूते की स्थिति पर अटका था, जो उनकी गरीबी और संघर्ष को दर्शाता था।

9. **'तुम फोटो का महत्व नहीं समझते' का आशय क्या है?**
   A. तुम फोटो खींचवाते नहीं
   B. तुम फोटो में सादगी को महत्व देते हो
   C. तुम दिखावा करते हो
   D. तुम फोटो में खुशबू डालते हो (B)

व्याख्या : इसका मतलब है कि वह फोटो में सादगी को महत्व देते हैं।

10. **प्रेमचंद की मुस्कान के बारे में क्या कहा गया?**
    A. यह असली मुस्कान थी
    B. यह हंसी थी
    C. यह एक अधूरी मुस्कान थी
    D. यह खुशबू वाली मुस्कान थी (C)

व्याख्या : प्रेमचंद की मुस्कान अधूरी थी, जिसमें व्यंग्य था।